



भारत का गाजीत The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 206]

नई दिल्ली, सोमवार, नवम्बर 20, 1995/कार्तिक 29, 1917

No. 206]

NEW DELHI, MONDAY, NOVEMBER 20, 1995/KARTIKA 29, 1917

वाणिज्य मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली 20 नवम्बर, 1995

विषय: रूस तथा ब्राजील मूल के विस्फिनोल-ए के आयात के संबंध में पाटनोधी जांच—अनियमित निष्कर्ष

सं. 9/11/94-ए डी डी.—भारत सरकार ने सन् 1982 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और तत्संबंधी सीमाशुल्क टैरिफ (डम्प की गई वस्तुओं पर शुल्क अथवा अतिरिक्त शुल्क की पहचान, निर्वारण तथा संग्रहण और अति का निर्वारण) नियमावली, 1985 को ध्यान में रखते हुए,

क्रियाविधि

2. नीचे उल्लिखित क्रियाविधि का अनुसरण किया गया:—

(i) उपर्युक्त नियमावली के अन्तर्गत परिभासित नाभित प्राधिकारी (जिसके बाद प्राधिकारी कहा जाएगा) को मैसर्स कैसर पेट्रो प्रोडक्स लि., 7, नागिन महल, दूसरी

मंजिल बम्बई-400020 से एक लिखित शिकायत प्राप्त हुई जिसमें रूस तथा ब्राजील मूल के विस्फिनोल-ए की डम्पिंग का आरोप लगाया गया था।

(ii) नाभित प्राधिकारी ने सीमाशुल्क टैरिफ कोड 29072300 (सुनेलित प्रणाली) के अन्तर्गत वर्गीकृत रूस तथा ब्राजील मूल के विस्फिनोल-ए के आयात के संबंध में पाटनोधी शुरू किए जाने हेतु दिनांक 30 दिसम्बर, 1994 को भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित एक सार्वजनिक सूचना जारी की थी।

(iii) प्राधिकारी ने ज्ञात संवधित नियर्यातिकों तथा आयातिकों नियर्यातिक देश के प्रतिनिधियों तथा शिकायतकर्ता को पाटनोधी जांच शुरू करते के संबंध में औपचारिक रूप से सूचित किया और उन्हें इस बात के लिए मौका दिया था कि अधिसूचना की तारीख से 40 दिन के भीतर अर्थात् 8 फरवरी, 1995 तक लिखित रूप में अपने-अपने विचार प्रकट करें, तथा मुनद्वाई के लिए अनुरोध करें।

(iv) प्राधिकारी ने निम्नलिखित नियर्यातिकों को संगत जानकारी प्राप्त करते के लिए उन्हें प्रश्नावली भेजी थी:—

(क) मैसर्स रोडिया एस/ए, ब्राजील

- (xv) मैसर्स विनाल इंक क्यूमिका लि., ब्राजील
- (xvi) मैसर्स मैगटेक सरसीकाओं टैनीओस लि., ब्राजील
- (xvii) फैनोलैक, एस्सप्रेस ब्रासलेटरा डे फैनोल एस्टोना लि., ब्राजील
- (xviii) चीफ ऑफ फोरेन रिलेशन्स डिपार्टमेंट नेप्टैकीम-कोम्बीनाट, रूस
- (xix) प्रेसीस्वोडर-टीनों अबीडीनेनी चिम्परोम', रूस

(vi) नई दिल्ली स्थित रूसी दूतावास तथा ब्राजील दूतावास को भी जांच की शुरूआत के बारे में सूचित किया गया था तथा उनसे अनुरोध किया गया था कि वे रूस तथा ब्राजील के नियातिकों/उत्पादकों को सलाह दें कि वे उन्हें भेजी गई प्रश्नावली का उत्तर 40 दिन के भीतर भेज दें।

(vii) भारत में विसफिनोल-ए के निम्नलिखित आयातकों भी प्रश्नावली भेजी गई थी:—

- (a) मैसर्स बंगाल पोलीरेजिन्स, प्रा.लि., कलकत्ता
- (b) मैसर्स बीटा इंटरनेशनल, बम्बई
- (c) मै. भारत जीनो टैक्सटाईल्स इंडस्ट्री, कलकत्ता
- (d) मै. चिमनलाल मगनलाल एंड कं. बम्बई
- (e) मै. सिवातुल लि., गुजरात
- (f) मै. डैल्टा इंडस्ट्रीजिन्स (प्रा.) लि., बम्बई
- (g) मै. ईईसी के एंड कं. लि., पुणे
- (h) मै. एम.जेतु एक्सपोर्ट्स प्रा. लि., बम्बई
- (i) मै. पारीख कैमिकल इंडस्ट्री, कानपुर
- (j) मै. पारीख रेजिन एंड पालीमर, कानपुर
- (k) मै. प्रगति कैमिकल्स लि., बम्बई
- (l) मै. स्पेशलिटी कैमिकल लि., बम्बई
- (m) मै. उत्तम लाल एंड कं., बम्बई

(viii) रूस के व्यापार प्रतिनिधि के अनुरोध पर आयातकों/नियातिकों की सूची उपलब्ध कराई गई।

(ix) प्राधिकारी ने आयातकों तथा आयातकों द्वारा निधारित प्रपद/प्रश्नावली में अपेक्षित सूचना प्रस्तुत करने हेतु समय बढ़ाने के अनुरोध पर समय बढ़ाया। मैसर्स सिवातुल लि., गुजरात तथा मैसर्स पारीख रेजिन पोलीमर्स, कानपुर आयातकों तथा ब्राजील के एक नियातिक मैसर्स रोडिया एस ए ने निर्धारित प्रपद में सूचना प्रस्तुत की है। वास्तव में ब्राजील के नियातिक ने अप्रैल, 95 के अन्त तक की समय बढ़ाया था जो उन्हें दी गई थी। अन्य किसी भी आयातकों ने नियातिक ने समय सीमा के भीतर निर्धारित प्रपद में प्राधिकारी कों सूचना नहीं भेजी।

(x) दिनांक 23-2-95 को हुई सार्वजनिक सुनवाई में भी नियातिकों आयातकों, प्राधिकारी तथा अन्य इच्छुक पार्टियों को अपने विचार व्यक्त करने का मौका दिया गया। यद्यपि कुछ आयातकों ने न तो वांछित सूचना ही प्रस्तुत

की और न ही जांच के शुरू होने से 40 दिन की निर्धारित समय-सीमा के भीतर याचिका की प्रति की ही मांग की तथा प्रियन्धनों सार्वजनिक सुनवाई के द्वारा नियातिकों तथा प्राधिकारी से याचिका के गैर-गोपनीय हिस्से को उपलब्ध कराने के लिए अनुरोध किया था ताकि इस पर वे अपने विचार व्यक्त कर सकें। उन्होंने सुनवाई को स्थगित करने के लिए भी अनुरोध किया। यद्यपि यह अनुरोध देर से प्राप्त हुआ था फिर भी प्राधिकारी ने पाटनरोधी याचिका के गैर-गोपनीय हिस्से को आयातकों के प्रतिनिधियों को उपलब्ध कराया तथा सार्वजनिक सुनवाई को 9-3-1995 तक स्थगित की।

(xi) दिनांक 9-3-1995 को हुई सार्वजनिक सुनवाई में याचिकाकर्ता घरेलू उद्योग तथा निम्नलिखित के प्रतिनिधियों ने भाग लिया:—

1. मैसर्स सिवातुल लि., गुजरात
2. मैसर्स प्रगति कैमिकल्स लि., बम्बई
3. मैसर्स डैल्टा इंडस्ट्रीजिन्स (प्रा.) लि., कलकत्ता
4. मैसर्स सिप रेजिन लि. मद्रास

(xii) उक्त सार्वजनिक सुनवाई में भाने लेने वाली सभी पार्टियों कों सलाह दी गयी थी कि वे जांच के संबंध में सार्वजनिक सुनवाई के द्वारा व्यक्त किए गए विचारों अन्य पार्टियों से प्रति टिप्पणियां प्राप्त करने के लिए, लिखित रूप में प्रस्तुत करें। पार्टियों द्वारा प्रस्तुत किए गए लिखित टिप्पणियां अन्य पक्ष (पक्षों) को उनकी टिप्पणियों के लिए, उपलब्ध करायी गयीं।

(xiii) मैसर्स यू एस पी ई चिम्परोन, रूस ने उत्तर दिया कि उन्होंने भारत को विसफिनोल-ए का कभी भी नियाति नहीं किया। आयातकों के उत्तर की संबोधा तथा आयातकों द्वारा दिए गए आयात के बारे में साक्ष्य से पता चलता है कि रूस मूल के विसफिनोल-ए का नियाति मैसर्स हैल्म, ए जी, हन्वर्ग, लिगनाकोन जी एमबीएच कारसात हन्वर्ग तथा मैसर्स ग्रान्का युप (हांगकांग) लि., हांगकांग द्वारा किया गया। वदनसार, इन नियातिकों का सोचे हो तथा उनके दूतावासों के माध्यम से भी विसफिनोल-ए की पाटनरोधी जांच के बारे में चित्त किया गया था तथा उनसे नियम सूचना के नियमों के अनुसार अपेक्षित सूचना भेजने के लिए अनुरोध किया गया था। मैसर्स हैल्म ए जी तथा मैसर्स लिगनाकोन जी एमबीएच कारसात ने अपेक्षित व्यौरे प्रत्युत नहीं किए थे। किर भी उन्होंने इस बात की पुष्टि की थी कि उन्होंने रूस मूल के विसफिनोल-ए का नियाति किया था, और उसका भारत के लिए जहाज में लदान उन्होंने किया था।

(xiv) नियातिकों, आयातकों तथा याचिकाकर्ताओं को नए नामित प्राधिकारी द्वारा 13-6-95 को की गयी सार्वजनिक सुनवाई में अपने दिलार व्यक्त करने का एक और मौका दिया। उक्त सार्वजनिक सुनवाई में याचिकाकर्ता घरेलू उद्योग के प्रतिनिधियों हथा निम्नलिखित ने भाग लिया:—

1. रूस के व्यापार प्रतिनिधि
2. मैसर्स रोडिया एस ए, ब्राजील के भारतीय प्रतिनिधि

3. मैसर्स प्रगति कैमिकल्स प्रा. लि.
4. मैसर्स एस आई पी रेजिन लि.
5. मैसर्स डॉल्टा इंक रेजिन प्रा. लि., कलकत्ता
6. मैसर्स भारत जनरल टैक्सिटाइक्स इंडस्ट्रीज प्रा. लि.
7. मैसर्स सिवातुल लि.

(xiv) उन सभी पार्टियों को जिन्होंने उक्त सार्वजनिक सुनवाई में भाग लिया था, उन्हें सलाह दी गई थी कि वे जांच के संबंध में सार्वजनिक सुनवाई के दौरान व्यक्त किए गए अपने विचार अन्य पार्टियों से प्रति टिप्पणियों प्राप्त करने के लिए लिखित रूप में प्रस्तुत करें। पार्टियों द्वारा प्रस्तुत की गयी लिखित टिप्पणियों अन्य पक्ष (पक्षों) को उनकी टिप्पणियों के लिए उपलब्ध करायी गयी।

(xv) चैम्बर आफ कार्मस एंड इंडस्ट्रीज बेस्किस्तान गणराज्य के प्रतिनिधियों के साथ मैसर्स यू एस पी ई चिपरोपम रूस के एक दल ने जून 1995 में प्राधिकारी के कार्यालय का दौरा किया था। उन्होंने डिपिंग को न करने के लिए वचन देने की इच्छा व्यक्त की तथा 15 दिन के भीतर निर्धारित प्रपत्र में सूचना प्रस्तुत करने के लिए अपनी सहमति दी। तथापि रूस के प्रोड्यूसर ने प्राधिकारी द्वारा अपेक्षित कोई सूचना प्रस्तुत नहीं की जो उनको हानिकर डिपिंग को रोकने के लिए वचनबद्धता की सीमा की सूचना देने के लिए आवश्यक है।

(xvi) इस जांच में 1 अप्रैल, 1993 से 30 सितम्बर 94 तक की अवधि कवर की गई। प्राधिकारी ने जांच के लिए आवश्यक समझी गई सूचना प्राप्त करके इसका सत्यापन किया और इस दिशा में मैसर्स केसर पेट्रो प्रोडक्ट्स लि. के परिसर में जांच की गई।

(xvii) प्राधिकारी ने लागत संबंधी जांच भी की तथा सामान्य रूप से स्वीकृत लेखा सिद्धांतों के आधार पर भारत में बनाने और बेचने की लागत तथा अधिकतम उत्पाद का पता लगाया जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि क्या धति को दूर करने के लिए डिपिंग मार्जिन के कम प्रतिपाठन शुल्क लगाना पर्याप्त होगा।

(xviii) प्राधिकारी ने नियम सुपरा के अन्तर्गत जांच शुरू की है न कि नए नियमों के अन्तर्गत दिनांक 1-1-95 से प्रभावी होने वाले नियमों का 1-1-95 से पहले शुरू होने वाली जांचों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

याचिकाकर्ता के विचार

3. याचिकाकर्ता ने निम्नलिखित प्रमुख मुद्दे प्रस्तुत किए :

- (1) रूस तथा ब्राजील से आयात इन देशों में उनके मूल्य से कम सामान्य मूल्य में बेचे गए हैं।
- (2) रूस और ब्राजील के निर्यातकों द्वारा डिपिंग किए जाने के कारण रूस तथा ब्राजील से आयातों की गिरती हुई कीमतों की बराबरी करने के लिए उनको अपनी बिक्री कीमत

को उत्पादन की लागत से कम करने के लिए बाध्य होना पड़ा।

(3) डिपिंग की वजह से मैसर्स सिवातुल लि., गुजरात ने बिसफिनोल-ए के उत्पादन के लिए अपने संयंत्र को बंद कर दिया था।

(4) रूस के मामले में, यद्यपि आयात जर्मन तथा हांगकांग से हो रहे हैं तथा नियमावली 1985 के नियम-6, के अनुसार यह व्यवस्था है कि जहां आयातित वस्तु मूल देश से नहीं आ रही है अपितु वह मध्यवर्ती देश से आ रही है तो जिस कीमत पर वह वस्तु बेची जाती है उसकी तुलना मूल देश में वस्तु की कीमत से की जाएगी। जब वस्तु केवल मध्यवर्ती देश के जरिए भेजी जाती है और तदनुसार यद्यपि आयात रूस से सीधे नहीं हुआ है, किन्तु नियमावली, 1985 के नियम के उपबन्धों के अन्तर्गत भारत में रूसी मूल की सामग्री डंप की जा रही है।

(5) उनके उत्पाद की गुणवत्ता अन्तर्राष्ट्रीय मानदंडों को पूरा करती है जैसा कि इस तथ्य से स्पष्ट होता है कि उनको निर्यात बिक्रियों में प्रतिवर्ष वृद्धि होती रही है और यह सब अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता तथा इस बात के बावजूद है कि आयातक वास्तविक उपयोक्ता स्वयं आनवरत आधार पर उनके वस्तुओं का इस्तेमाल कर रहे हैं। उनके द्वारा खरीदी गई मात्रा में भी प्रतिवर्ष वृद्धि होती रही है।

(6) याचिकाकर्ता की हानियां बिसफिनोल "ए" की डिपिंग के कारण हुई हैं किसी अन्य कारण नहीं। इसका कारण उनको असक्षम यूनिट होना है जैसा कि बिसफिनोल-ए के आयातकों/उपयोक्ताओं का कहना है।

(7) दिनांक 9-3-95 को सुनवाई के दौरान गैर-गोपनीय सूचना प्रस्तुत की गई थी और यह कहा गया था कि गोपनीय सूचना जैसे घरेलू बिक्री उत्पादन की लागत, निर्यातक देशों में घरेलू कीमतों के संबंध में सूचना के स्रोत आदि में संबंधित जानकारी को बताया नहीं जा सकता।

(8) सुनवाई में भाग लेने वाले किसी भी आयातक अथवा रूस के प्रतिनिधि ने याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत की गई रूस में घरेलू कीमत को रद्द करने हेतु कोई तर्क/साक्ष्य नहीं दिया।

(9) सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के दिनांक 1-1-95 से उपभोज्यता के संबंध में यह अभिवेदन किया गया कि :

(क) गाट 1994 के पाटनरोधी प्रावधान के बावजूद तभी लागू होंगी यदि मामलों की शुरूआत गाट 1994 के अनुच्छेद 6 के कार्यान्वयन के कारार के अनुसार शुरू की गयी है।

(ख) जनरल क्लास अधिनियम के खंड 6 के अन्तर्गत माजूदा मामले में कार्यान्वाई 1-1-95 से पहले शुरू की गई थी अतः इस पर पुराने उपबन्ध ही लागू होंगे। सीईजीएटी के पांच सदस्यीय बैच द्वारा

आत्मा स्टील (1984) (17) ईएसटी 331 के मामले में पांच सदस्यीय बैच के अनुसार यदि नियम 10 के अन्तर्गत कार्बोर्बाई शूल की जाती है जो बाद में रद्द की जाती है और नया बैंड 11 पर जोड़ा जाता है तो पहले से शुल्क की गई कार्बोर्बाई उस कार्बोर्बाई के शुल्क होने की तारीख से कानून द्वारा शासित होगी। इस प्रकार, भीजूदा मामले में चूंकि कार्बोर्बाई 1-1-95 को लागू नए उपबंधों में पहले शुल्क हो गई थी इसलिए सीई जीएटी के फैसले के अनुसार केवल पुराने उपबंध ही लागू होंगे।

(ग) यह अधिवेदित किया गया कि यद्यपि 1985 की पिछली नियमावली का अधिकरण कर दिया गया था किन्तु अधिकरण किए जाने से पहले की गई कार्बोर्बाई के संबंध में उसमें एक व्यावृति अनुच्छेद है। इस प्रकार इस समय चल रही ऐसी कार्बोर्बाई को इससे संरक्षण मिलेगा जो पहले शुल्क की गई थी। चूंकि भीजूदा मामले में कार्बोर्बाई पुराने उपबंधों के अनुसार शुल्क की गई है इसलिए सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम में दिनांक 1-1-95 को किए गए मंशोदान लागू नहीं होते।

निर्यातकों के विचार

निर्यातकों/उत्पादकों द्वारा अन्त मुख्य-मुख्य विचार नीचे दिए जा रहे हैं:-

(क) भाजील से विस्फेनोल-ए का नियर्ति कुल भारतीय बाजार की मात्रा का 10% से भी कम है।

(ख) रोडिया एम.ए द्वारा जो कीमतें आकर की गई थीं के भारतीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में चल रही कीमतों द्वारा परिभासित की गई थीं।

आयातकों एवं अन्य हितबद्ध पक्षों के विचार

4. आयातकों एवं प्रयोक्ताओं के मुख्य-मुख्य विचार संक्षेप में नीचे दिए जा रहे हैं:-

(1) भीजूदा टैरिफ अधिनियम की धारा 9 (क) और पाटनरोधी नियम, 1985 के स्थान पर अतिक्रमण में 1995 की नई नियमावली और नई धाराएं लागू की गई हैं। अधिकरण के बाद के उपबंधों के तहत आरंभ की गई जांच नए उपबंधों द्वारा शासित होगी।

(2) मूल याचिका दिनांक 31 मार्च, 1994 को प्रस्तुत की गई जबकि जांच की गई अवधि दिनांक 1 अप्रैल, 1993 ने लेकर 30 सितम्बर, 1994 तक निर्धारित की गई।

(3) तथाकथित डम्पिंग में संबंधित जानकारी निष्चयपूर्ण प्रस्तुत नहीं की गई है और जब इसकी याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत श्राकड़ों और जापान से आयातित बिस्फेनोल-ए की पाटनरोधी जांच के प्रारंभिक निष्कर्षों में अविसूचित श्राकड़ों में मिलान किया गया तो उसमें बहुत मिथ्या-तिरुप्तण पाया गया।

(4) याचिकाकर्ता के पास जरेल मांग की तुलना में प्रतिष्ठापित क्षमता अत्यधिक है।

(5) याचिकाकर्ता द्वारा विनिर्भात उत्पाद उसकी नवालिटी में पूर्णतया स्वीकृत नहीं था।

(6) जांच में उल्लिखित देशों से आयात-मात्रा कुल आयात की लगभग 10% है और हवानी कम मात्रा से पर्याप्त बाजार में समतुल्य बस्तु की कीमतों पर चुरा असम नहीं पड़ा होगा।

(7) पाटनरोधी शुल्क लगाने से केवल एपोक्सी रेजिन विनिर्भातों को ही क्षति हो सकती है।

(8) याचिकाकर्ता एक अकुशल एकक है।

(9) भ्राजील से दिनांक 1-4-1994 से अब तक कोई आयात नहीं हुआ जिससे पता चलता है कि भ्राजील से इस उत्पाद की कोई डम्पिंग नहीं है।

अतः ऐसी स्थिति में जांच को ही रोक दिये जाने की आवश्यकता है।

(10) इस ने भारत को कुछ मात्रा का सीधे-सीधे कोर्ट नियर्ति नहीं किया है बल्कि अधिकांश पोतवलान या तो जर्मनी में या सिगापुर से होकर आते हैं वह कीमतें जिन पर रस, जर्मनी अथवा सिगापुर को नियर्ति करे अपेक्षतया जर्मनी तथा सिगापुर डीलरों की नियर्ति कीमत में कम हों जिसमें लाभ का मार्जिन भी शामिल हो।

(11) बिस्फेनोल-ए के दो ग्रेड होते हैं—एपोक्सी ग्रेड और पोली कार्बोनेट ग्रेड। यह बात स्पष्ट नहीं है कि याचिकाकर्ता को क्षति बिस्फेनोल-ए के ऐपोक्सी ग्रेड से हुई है अथवा पोली कार्बोनेट ग्रेड से हुई है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

5. निर्यातकों, आयातकों याचिकाकर्ता एवं अन्य हितबद्ध पक्षों द्वारा किए गए उपर्युक्त निकेवनों की जांच की गई है और ये निष्कर्ष निकालते समय उन पर विचार किया गया और उनका डन निष्कर्ष में उल्लेख किया गया है।

6. रस के निर्यातकों से निर्धारित प्रपत्र में कोई सीधा उत्तर नहीं मिलते पर प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियम 14 के अनुसार उपलब्ध जानकारी और सर्वोत्तम उपलब्ध जानकारी के आधार पर रस के संबंध में निष्कर्ष निकाले हैं।

विचाराधीन उत्पाद

कार्बनिक रसायन बिस्फेनोल ए को फेनोल तथा एसीटोन में विनिर्भात किया जाता है, बिस्फेनोल ए के दो ग्रेड होते हैं अर्थात् एपोक्सी ग्रेड और पोलीकार्बोनेट ग्रेड। उनका रासायनिक नाम ग्रागविक फामोना और अन्य गुण जैसे आणविक भार व्यापक गलनांक निपचत गुरुत्व निष्क्रित कृष्णा आदि समान हैं। इन दोनों ग्रेडों के प्रमुख प्रयोग भी समान हैं केवल इस बात को सोडकर कि पोलीकार्बोनेट ग्रेड का प्रयोग पोलीकार्बोनेट रेजिनों के लिए भी किया जा सकता

है। उपरोक्त को भ्रान्त में रखते हुए और “सजातीय उत्पाद” में संबंधित डिस्पॉर्ट नियमों की तुलना में विभिन्न पहलुओं को जांच करने के बाद इस बात पर विचार किया गया कि भारत में उत्पादन और रूम एवं ब्राजील से ग्रायात्रित बिस्फेनोल-ए संतानीय उत्पाद हैं। बिस्फेनोल-ए उत्पाद सीमा शुल्क टैरिफ़ कोड 29072300 में वर्गीकृत है और यह खुले सामान्य लाइसेंस की श्रेणी में आता है।

कुछ अध्यातकों द्वारा लगाए गए इस आरोप के संबंध में को याचिकाकर्त्ता द्वारा विनिर्मित उत्पाद उमयी याचिलिटी की दृष्टि से पूर्णतया स्वीकृत नहीं था प्राधिकारी ने यह बात टोर की कि जहां कुछ शिकायतकर्त्ता द्वारा कोई भी प्रामाणिक दस्तावेजी तथा विश्वसनीय साथ्य प्रस्तुत नहीं किया गया वहां स्वयं कुछ शिकायतकर्त्ता याचिकाकर्त्ता द्वारा विनिर्मित उत्पाद का नियमित रूप से प्रयोग कर रहे हैं और याचिकाकर्त्ता ने जांच अधिक के द्वारा इस उत्पाद को 3200 मी. टन से भी अधिक मात्रा का निर्यात किया। अतः प्राधिकारी ने यह निष्कर्ष निकाला कि इस घरेलू उत्पाद की विद्युत विद्युती के संबंध में प्रायातकाओं/प्रयोक्ताओं का कथन मिथ्या नहीं होता है।

घरेलू दर्जा

वर्ष 1993-94 के लिए इस उत्पाद की मांग लगभग 3000 एम टी वार्षिक आंकी गई है। मैसर्स केसर पेट्रो प्राइवेट्स लि. विस्फेनोल-ए का प्रमुख उत्पादक है। मैसर्स मिबा ट्रूअल लि. इस उत्पाद का उत्पादन कैप्टिव मांग के लिए कर रहे थे और वे आयात भी कर रहे थे। इसलिए उपर्युक्त नियमों के तहत उसे घरेलू उत्पाद नहीं कहा जा सकता है। इस उत्पाद के तीन अन्य विनिर्माता भी हैं अर्थात् मैसर्स परामल अगोनिक कैमिकल्स लि. ब्रवई, मैसर्स एनलाइट कैमिकल्स, बंबई और मैसर्स अल्फा कैमिकल्स, कलकत्ता। किन्तु, मैसर्स सिबाट्रूअल लि. द्वारा अपने दिनांक 12-7-1995 के पद्धति द्वारा प्रस्तुत जानकारी के अनुसार इन तीन कर्मों ने उत्पादन करना बन्द कर दिया है। याचिकाकर्त्ता भारत में बिस्फेनोल से ए के अधिकतम हिस्से का उत्पादन करता है और इस प्रकार वे उपर्युक्त नियम 2 (ग) के अनुसार घरेलू उत्पाद हैं।

सामान्य मूल्य

याचिकाकर्त्ता द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, रूम में इस उत्पाद की घरेलू कीमत 1052.63 अमरीकी डालर प्रति भी० टन थी और ब्राजील द्वारा तीसरे देश के लिए इसकी निर्यात कीमत 1100 अमरीकी डालर थी। याचिकाकर्त्ता ने बिस्फेनोल-ए की उत्पादन लागत के आधार पर भी कीमत लगाई और बताया कि यह लगभग 2068 अमरीकी डालर प्रति भी० टन है।

ब्राजीलियाई निर्यातक ने इसकी घरेलू कीमत, तीसरे देश के लिए निर्यात कीमत, उत्पादन लागत और भारत के लिए निर्यात कीमत के बीचे प्रस्तुत किया है। ब्राजील में इस

उत्पाद की घरेलू कीमत में उत्पादन की पूर्ण लागत कवर नहीं होती है और निर्यातक को धाटा हो रहा है, ब्राजील में घरेलू विक्री का लगभग सत्तर प्रतिशत भाग धाटे में चल रहा है और इसीलिए ब्राजील में घरेलू कीमत के “सामान्य व्यापार प्रक्रिया में” नहीं लिया जा सकता है। तीसरे देश की निर्यात विक्रियों में भी धाटा हो रहा है और इसीलिए सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए तीसरे देश की निर्यात कीमत को भी शामिल नहीं किया जा सकता है। अतः ब्राजील से होने वाले निर्यात के संबंध में सामान्य मूल्य को उत्पादन लागत पर आधारित माना गया है जिसमें निर्यातक द्वारा प्रस्तुत प्रशासनिक, विक्री एवं सामान्य व्यय भी शामिल हैं। ब्राजील से यह मूल्य एम्पा फैस्ट्री मूल्य के समायोजन और व्यथोचित लाभ देने के बाद 1087.82 अमरीकी डालर प्रति भी० टन बैठता है।

रूम से इस उत्पाद के सामान्य मूल्य के संदर्भ में न तो रूसी उत्पादकों ने और न ही भारत को रूसी मूल के माल के निर्यात करने वाले लोगों ने ही निर्धारित प्रशासनिक में जानकारी दी है। मैसर्स विस्पनान, रूम ने भी यह जानकारी नहीं दी है जबकि उन्होंने माह जून, 1995 में अपनी यात्रा के द्वारा आश्वासन दिया था। भारत को इस उत्पाद के जर्मन निर्यातकों मैसर्स हेल्म ए जी और मैसर्स लाइनाकोर ने यह पुष्टि की है कि उन्होंने भारत को रूसी मूल के इस उत्पाद का सीधे ही पोतलदान किया। किसी भी आयातक अथवा निर्यातक ने पर्याप्त समय दिए जाने के बावजूद भी इस संबंध में जानकारी प्रस्तुत नहीं की।

इन परिस्थितियों में नियमों के तहत सामान्य मूल्य का निर्धारण सर्वोत्तम उपलब्ध जानकारी के आधार पर किया जाता है और इसीलिए याचिकाकर्त्ता द्वारा रूम की घरेलू कीमत के संबंध में दी गई जानकारी को स्वीकार कर लिया गया है। रूम के मामले में इस उत्पाद का सामान्य मूल्य 1052.63 अमरीकी डालर प्रति भी० टन मात्रा गया है।

निर्यात कीमत

प्राधिकारी ने यह बात नोट की कि बिस्फेनोल-ए की निर्यात कीमत का हिसाब लगाने के लिए सीमा शुल्क अस्ट्री-रोडिंग एस.ए द्वारा प्रस्तुत जानकारी के आधार पर भारत में विभिन्न माल के आयात के संबंध में डीजीसीआई एण्ड एस, कलकत्ता, द्वारा संकलित जानकारी को शामिल नहीं किया जा सकता है क्योंकि उस सीमाशुल्क कोड में जिसके तहत उसे वर्गीकृत किया गया गया है, बिस्फेनोल-ए से इतर माल का आयात भी कवर किया गया गया है।

अतः ब्राजील के मामले में निर्यात कीमत निर्यातक मैसर्स रोडिंग एस.ए द्वारा प्रस्तुत जानकारी के आधार पर विश्वसनीय मानी गई है। भारत औसत निर्यात कीमत सम्प्रीता-प्राप्ति पूर्व कार्य निर्यात कीमत के साथार पर निकाले गये भीमा, से समायोजित भी गई है।

हालांकि जर्मनी के नियतिकों ने इस बात की पुष्टि की है कि उन्होंने रूसी मूल के माल का उसमें आगे कोई प्रसंस्करण किए बिना ही भारत के लिए पोतलदान किया है लेकिन उन्होंने मांगे गए व्यौरे प्रस्तुत नहीं किए हैं। उनमें से एक ने बताया है कि उन्होंने यह उत्पाद रूस से 520 अमरीकी डालर तक खरीदा है और इसमें भाड़ा एवं बैंकिंग लागत शामिल है। चंकि रूसी उत्पादक अथवा रूसी माल के नियतिकों द्वारा इसे साध्य के माथ प्रभागित नहीं किया गया है और न ही कोई जानकारी ही प्रस्तुत की गई है, अतः रूस के मामले में नियति कीमत का निर्धारण या याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत की गई भारत में बिस्फेनोल-ए के आयात संबंधी खेपवार/देशवार जानकारी के आधार पर किया गया है और उसे आयतिकों द्वारा प्राधिकारी को प्रस्तुत की गई जानकारी से सहसबंद किया गया है। रूस में बिस्फेनोल-ए की भारित औसत नियति कीमत का हिसाब भाड़ा, बीमा और जर्मन नियतिक को दी गई कमीशन के समायोजन के बाद 618.34 अमरीकी डालर प्रति मी. टन बैंटता है।

तुलना

सीमानुल्क टैरिक अधिनियम, 1975 की धारा 9 (क) (2) और उपर्युक्त नियम 14 के अनुसार सामान्य मूल्य तथा नियति कीमत के शीघ्र न्यायोचित तुलना करने के प्रयोजन के लिए प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता, ब्राजील के नियतिक अर्थात् मैसर्स रोडिया एस.ए. द्वारा भेजी गई जानकारी को हिसाब में लिया। नियम 6 में यह प्रावधान है कि ऐसे मामले में जहां कोई वस्तु उसके मूल के देश से नहीं बल्कि किसी मध्यवर्ती देश से भारत में आयत की गई हो, उस मामले में मध्यवर्ती देश द्वारा बेची गई वस्तु की कीमत की तुलना उस मध्यवर्ती देश में चल रही तुलनीय कीमत से की जाएगी। रूसी मूल के माल के नियतिक, जिन्हें अपनी-अपनी और से संगत जामकारी उपलब्ध कराने का पर्याप्त अवसर दिया गया था, की ओर से निर्धारित तरीके और प्रपत्र में सीधे ही उत्तर नहीं मिलने की स्थिति में और जर्मन नियतिकों मैसर्स हेल्म एजी तथा मैसर्स लाइनाकोन द्वारा की गई इस पुष्टि को ध्यान में रखते हुए कि रूसी मूल का भाल आगे कोई प्रसंस्करण किए बिना ही भारत की भेजा गया था, प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियम-6 के उपबन्धों के तहत नियति कीमत की तुलना उद्भव बाले देश की कीमत से की। जांच अवधि के दौरान प्राप्त की गई भारित औसत कीमत की तुलना सामान्य मूल्य से की गई है।

क्षति

उपर्युक्त नियम 18 के तहत जब क्षति के बारे में कोई निष्कर्ष निकाला जाता है तो “ऐसे निष्कर्ष में उन नथ्यों की जांच शामिल होगी जिन्हें नामित प्राधिकारी परिस्थितियों के अन्तर्गत संगत समक्षता हो। उसमें डम्प किए गए आयात की मात्रा और सदृश उपयोगों के लिए परेलू बाजार में उनकी कीमतों पर पड़ने वाला प्रभाव और ऐसे उपायों के लिए

उत्पादकों पर इस तरह के आयात का परिणामी प्रभाव शामिल है।” डम्प किए गए आयातित माल के कीमतों पर पड़ने वाले प्रभाव पर विचार करते समय यह आवश्यक समझा जाता है कि इस बात की जांच की जाए कि क्या डम्प किए गए आयात में भारत में किसी सदृश उत्पाद की कीमत की तुलना में कीमत में कोई अधिक गिरावट आई है, अथवा क्या कीमतों को किसी विशेष स्तर तक घटाने अथवा किसी विशेष स्तर तक कीमत बढ़ा, जो कि अन्यथा हुई होती, को रोकने के लिए ऐसे आयात का अन्यथा प्रभाव पड़ा।

भारत में उद्योग पर पड़ने वाले प्रभाव की जांच के लिए नामित प्राधिकारी ने उन विषयों पर विचार किया जिनका उद्योग की स्थिति पर प्रभाव पड़ता है, जैसे उत्पादन, क्षमता, उपयोग, विक्री, स्टॉक, लाभप्रदता, और निवल विक्री आय।

(क) आयात की मात्रा और बाजार हिस्सा

नियतिक मैसर्स रोडिया एस.ए. द्वारा दिए गए व्योरे के मताबिक वर्ष 1991 में ब्राजील से नियति शून्य से बढ़कर वर्ष 1992 में 144 मी. टन हो गया जो कि पूबे वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान लगभग 100% की वृद्धि दर्शाता है। इसके साथ साथ भारत को होने वाले नियति मूल्य में गिरावट आई जो वर्ष 1992 में लगभग 711 अमरीकी डालर प्रति मी. टन से घटकर अप्रैल 93 से दिसम्बर, 93 के दौरान 65% अमरीकी डालर तथा जनवरी 1994 से सितम्बर, 1994 के दौरान 613 अमरीकी डालर प्रति मी. टन हो गया।

हस से होने वाला नियति वर्ष 1992-93 में शून्य से बढ़कर वर्ष 1993-94 में 242 मी. टन तथा वर्ष 1994-95 के प्रथम छ: महीने के दौरान 410 मी. टन तक हो गया जिससे पूबे वर्षों की तुलना में वाबिक आधार पर वर्ष 1994-95 में (6 महीने) 238% से अधिक की वृद्धि दर्ज हुई है। वर्ष 1993-94 में 713 अमरीकी डालर नियति मूल्य तेजी से घटकर वर्ष 1994-95 के प्रथम छ: महीनों के दौरान 619 अमरीकी डालर प्रति मी. टन तक हो गया। प्राधिकारी ने विचार किया है कि जांच-पड़ताल की अवधि के दौरान ब्राजील और रूस ने पाठित आयात की मात्रा को नाममात्र का नहीं माना जा सकता है, यह भारतीय बाजार में इस उत्पाद के मूल्यों को प्रभावित कर सकता है।

(ख) उत्पादन

याचिकाकर्ता का उत्पादन 1711 मी. टन (1992-93) से बढ़कर 4181 मी. टन (1993-94) और 2610 मी. टन (1994-95 के प्रथम छ: महीने) तक हो गया। परिणामस्वरूप क्षमता उपयोग में लगभग 68% से बढ़कर क्षमता: 84% तथा 87.5% की वृद्धि हुई है। याचिकाकर्ता ने वर्ष 1993-94 के दौरान अपनी 5000 मी. टन की क्षमता को बढ़ाकर 6000 मी. टन तक कर दिया। तथापि, प्राधिकारी ने यह बात नोट की कि नियति विक्री के लिए उत्पादन और रीब्रेंगर से जुड़े ताजे ते उच्च क्षमता उपयोग प्राप्त करने में विवरण दिया।

(ग) माल-मूची

याचिकाकर्ता के पास 31-3-1993 की विधि के अनुसार विस्फेनोल-ए का 1052 मी. टन का स्टाक था जो 31-3-1994 को घटकर 823 मी. टन तथा 30-9-1994 की स्थिति के अनुसार 803 मी. टन तक हो गया। माल मूची में यह गिरावट गिरे हुए मूल्यों पर अधिक घरेलू विक्री, नियति विक्री के कारण हुई प्रतीत होती है।

(घ) पूर्ण रूप से विक्री

वर्ष 1992-93 के छ: महीनों के दौरान (उत्पादन अक्टूबर 1992 में शुरू हुआ) घरेलू बाजार में याचिकाकर्ता की विक्री 181 मी. टन से घटकर वर्ष 1993-94 के दौरान 1666 मी. टन तथा वर्ष 1994-95 के प्रथम छ: महीने में 1390 मी. टन तक हो गई।

(ङ.) औसत विक्री वसूली

घरेलू बाजार में विस्फेनोल-ए की औसत विक्री वसूली वर्ष 1992-93 में 66366 रु. प्रति मी. टन से घटकर वर्ष 1994-95 के प्रथम छ: महीनों में 40670 रु. प्रति मी. टन रह गयी जिससे लगभग 40% की गिरावट आयी।

(च) लाभ/हानि

याचिकाकर्ता को हानि हुई है जो वर्ष 1992-93 में 353 लाख रु. से घटकर वर्ष 1993-94 के दौरान 837 लाख रु. तक हो गयी और वर्ष 1994-95 के पहले छ: महीनों में घटकर यह 110 लाख रु. तक रह गयी। याचिकाकर्ता को विस्फेनोल-ए को उत्पादन लागत से भी बहुत कम मूल्य पर बेचने के लिए मजबूर किया गया।

(च) नुकसान पर निष्कर्ष

(1) पूर्व अवधि की तुलना में जांच अवधि के दौरान रूस और ब्राजील से आयात की गयी मात्रा में कुल मिलाकर बहुत अधिक बढ़ि हुई है।

(2) भारत में हुए कुल आयात में रूस और ब्राजील का हिस्सा पूर्व अवधि की तुलना में जांच अवधि के दौरान बढ़ गया था।

(3) रूस और ब्राजील द्वारा आयात मूल्यों में कमी करने तथा भारत मरकार द्वारा सीमांतर के परिणामस्वरूप रूस और ब्राजील में होने वाले आयात मूल्य में (सीमांतर को हिमाचल में लेने के बाद किन्तु अनिवार्य सीमांतर से पहले) पर्याप्त गिरावट आयी।

(4) देश की कुल मांग में रूस और ब्राजील का बाजार हिस्सा पूर्व अवधि की तुलना में जांच अवधि के दौरान बढ़ा है।

(5) यद्यपि उत्पादन, क्षमता उपयोग और विक्री में समग्र रूप से सुधार हुआ है, लेकिन प्राधिकारी ने पाया है कि आपूर्ति का स्तर निर्धारित करने के लिए ग्राहकों के लिए मूल्य सभसे अधिक महत्वपूर्ण कारक था। इसलिए उत्पादन,

क्षमता उपयोग और विक्री में सुधार घरेलू उत्पादन द्वारा मूल्य कम किए जाने का सीधा परिणाम था। घरेलू उत्पादन द्वारा मूल्यों में यह कमी गिरनी हुई आयात कीमतों तथा बढ़ते हुए नियति एवं जाल बर्क करने के लिए करनी पड़ी। घरेलू उत्पादन को उस मूल्य पर विक्री करने से रोका गया है जिससे उसे उचित लाभ हो सके।

इस प्रकार, प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुंचा है कि घरेलू उत्पादन को वास्तविक नुकसान हुआ है।

इस बात को तय करने के लिए कि क्या घरेलू उत्पादन को वास्तविक नुकसान पाए आयात से हुआ है, प्राधिकारी ने निम्नलिखित तथ्यों को हिसाब में लिया है:-

(1) रूस और ब्राजील से इस उत्पादन का आयात समग्र रूप में अधिक बढ़ा है। कुल आयात में भी रूस और ब्राजील का हिस्सा बढ़ा है।

(2) रूस और ब्राजील से कम मूल्य पर अधिक मात्रा में हुए आयात में घरेलू उत्पादन को अलाभकारी स्तर पर अपना विक्री मूल्य कम करने पर मजबूर होना पड़ा।

(3) रूस और ब्राजील से हुए आयात ने घरेलू उत्पादन की कीमतों को इस सीमा, तक कम कर दिया कि इससे घरेलू उत्पादन अपने उत्पादन की पूरी लागत वसूल नहीं कर पाया और भारत में विस्फेनोल-ए की विक्री से उचित लाभ नहीं कमा पाया।

भारतीय उत्पादन का हित

सामान्य रूप से पाटन रोधी शुल्क का उद्देश्य डिपिंग, जो घरेलू उत्पादन को नुकसान पहुंचाता है, को कम करना है और भारतीय बाजार में खुनी और साफ प्रतिस्पर्धा की नियति बढ़ाव करना है, जो देश में आम हित में है।

यह भी तर्क दिया जाता है कि पाटन रोधी शुल्क लगाने के उपाय भारतीय जनरिहत के विपरीत हैं, क्योंकि इससे कीमतें बढ़ेंगी और इससे इपोक्सी रेसिन उत्पादन को नुकसान पहुंच सकता है। तथापि, भारतीय बाजार में खुनी प्रतियोगिता पाटन रोधी उपाय करने से कम नहीं होगी विशेषकर यदि पाटन रोधी शुल्क उस आवश्यक सीमा तक लगाया जाए, जिसमें कि घरेलू उत्पादन को होने वाले नुकसान का निवारण हो सके। इसके विपरीत, इसमें डिपिंग करने की प्रयत्नी में होने वाले अनुचित लाभ खत्म होंगे, इससे घरेलू उत्पादन गिरने से बचाए जा सकेंगे और विस्फेनोल-ए के उपभोगताओं के लिए व्यापक प्रसवन्द की उपलब्धता बनाए रखने में मदद मिलेगी।

प्राधिकारी इस बात की पुष्टि करता है कि उसने घरेलू उत्पादन को समाप्त करने के लिए आवश्यक पाटन रोधी शुल्क की सीमा का पता लगाने के लिए क्षमता उपयोग को आप्य स्तर पर उत्पादन की इंटर्टम लागत पर विनारक करके भारत में घरेलू उत्पादन के लिए विस्फेनोल-ए का उचित विक्री मूल्य का पता लगा लिया है।

याविकाकर्ता ने हुए पूरे नुकसान को समाप्त करने के लिए आवश्यक पाटनरोधी शुल्क की सीमा की सिफारिश करते समय प्राधिकारी ने डम्पिंग को छोड़कर अन्य कारकों से उसे हुए नुकसान को दिखाव में नहीं लिया है।

निष्कर्ष

तदनुसार, प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुंचा है कि—

(1) भाजील के नियातिकों ने और रूसी मूल की सामग्री का नियात करने वाले नियातिकों ने भारत को बिस्फेनोल-ए इसकी सामान्य कीमत से कम कीमत पर बेचा है;

(2) भारतीय उद्योग को वास्तविक नुकसान हुआ है;

(3) यह नुकसान रूस और भाजील से आयात करने के कारण हुआ है;

प्राधिकारी घरेलू उद्योग को हुए वास्तविक नुकसान को समाप्त करने की दृष्टि से रूस और भाजील मूल के बिस्फेनोल-ए के आयात पर एक निश्चित पाटनरोधी शुल्क लगाना आवश्यक समझता है। प्राधिकारी ने नियात मूल्य, सामान्य कीमत और डम्पिंग की सीमा का निम्नानुसार निर्धारण किया है—

	भाजील	रूस
सामान्य कीमत	1087.80	34320
नियात मूल्य	644.16	20323
(एक श्रोती)		653.82
डम्पिंग मर्जिन	443.63	13997
	398.81	12582

प्राधिकारी ने विचार किया है कि क्या डम्पिंग सीमा से कम शुल्क लगाना नुकसान को समाप्त करने के लिए पर्याप्त रहेगा। इस उद्देश्य के लिए, आयातित सामग्री की उत्तरार्द्ध के समय औसत मूल्य की तुलना घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित बिस्फेनोल-ए के उचित बिक्री मूल्य के साथ की गयी जिसका निर्धारण जांच अवधि के लिए आमता उपयोग के इष्टतम स्तर पर किया गया। यह अन्तर डम्पिंग मार्जिन से कम था और तदनुसार प्राधिकारी सिफारिश करता है कि भाजील से हुए आयात पर 10,263 रु. (दस हजार दो सौ तिरसठ रुपय मात्र) प्रति मी. टन, रूस मूल के आयात पर 12,559 रु. (वारद हजार पाँच सौ उनसठ रु.) प्रति मी. टन पाटनरोधी शुल्क लगाया जाए। यह राशि डम्पिंग मार्जिन से कम है, लेकिन इस और भाजील से हुए नियात में सीधे हुए नुकसान की सीमाओं समाप्त करने के लिए पर्याप्त है। इसलिए, सीमाशुल्क टैरिक के अध्याय 29 के अंतर्गत आने वाले रूस और भाजील मूल के बिस्फेनोल-ए के सभी आयातों पर यह शुल्क लगाया जाए।

टी. ए. विजयराधवन, पदनामित प्राधिकारी एवं
श्रवर मचिव

MINISTRY OF COMMERCE

NOTIFICATION

New Delhi, the 20th November, 1995

Subject : Anti-dumping investigation concerning imports of Bisphenol-A originating from Russia and Brazil—Final Findings.

No. 9/11/94/ADD.—The Government of India having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1982 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Duty or Additional Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1985, thereof.

PROCEDURE

2. The procedure described below has been followed.

- (i) The Designated Authority (referred to Authority hereinafter) under the above rules received a written complaint from M/s. Kestr Petroproducts Ltd., 7, Nagin Mahal, 2nd floor, Bombay 400 020, alleging dumping of Bisphenol-A originating from Russia and Brazil.
- (ii) The Designated Authority issued a public notice dated 30th December, 94 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating anti dumping investigation concerning imports of Bisphenol-A classified under the Customs Tariff Code 29072300 (Harmonised system) from Russia and Brazil.
- (iii) The Authority informed the exporters and importers known to be concerned, the representatives of the exporting countries and the complainant about the said initiation and gave them an opportunity to make their views known in writing and to request for oral hearing within 40 days from the date of notification i.e. 8th February, 1995.
- (iv) The Designated Authority sent a questionnaire to elicit relevant information from the following exporters :
 - (a) M/s. Rhodia S&A, Brazil.
 - (b) M/s. Vintl. Ind. Quimica Ltd., Brazil.
 - (c) M/s. Magatec Sercicao Tecnicos Ltd., Brazil.
 - (d) FENOLAC, Expressa Brasileira De Fenole Acetona Ltd., Brazil.
 - (e) Chief of Foreign Relations Deptt. Netechimkombi nat, Russia.
 - (f) Proisvodstvennoe Obedinenie "Chimprom", Russia.
- (v) The Embassy of Russia in New Delhi and the Embassy of Brazil in New Delhi were also informed about the initiation of investigation and were requested to advise the exporters/producers in Russia and Brazil respectively to respond to the questionnaire within 40 days.
- (vi) The questionnaire was also sent to the following importers of Bisphenol-A in India.
 - (a) M/s. Bengal Poly Resins P. Ltd., Calcutta.
 - (b) M/s. Beta International, Bombay.
 - (c) M/s. Bharat Geno. Textile Industry, Calcutta.
 - (d) M/s. Chimanlal Maganlal and Co., Bombay.
 - (e) M/s. Cibatul Limited, Gujarat.
 - (f) M/s. Delta Inds. Resins (P) Ltd., Bombay.
 - (g) M/s. ECK Ltd Co. Ltd., Pune.
 - (h) M/s. M. J. Exports Pvt. Ltd., Bombay.
 - (i) M/s. Parikh Chem. Industry, Kanpur.
 - (j) M/s. Parikh Resins & Polymer, Kanpur.
 - (k) M/s. Pragati Chemicals Ltd., Bombay.
 - (l) M/s. Speciality Chemical Ltd., Bombay.
 - (m) M/s. Uttamlal and Co., Bombay.

(vii) Russian Trade Representative, on request, were provided list of importers/exporters.

(viii) Extensions sought by importers and exporters in submission of required information in the prescribed proforma/questionnaire were granted by the Authority, M/s. Cibatul Ltd., Gujarat and M/s. Parikh Resins Polymers, Kanpur, the importers and one exporter from Brazil, M/s. Rhodia SA have submitted information in the prescribed proforma. In fact the Brazilian exporter sought extension upto the end of April, 95 which was agreed to. None of the other importers and exporters have furnished the information to the Authority in the prescribed proforma within the time limit.

(ix) An opportunity was also given to exporters, importers and petitioners to express their views in a public hearing held on 23-2-95. Some of the importers, though did not submit the desired information nor asked for the copy of the petition within the prescribed time limit of 40 days from the date of initiation, requested the Authority during the public hearing to make available non-confidential portion of the petition to enable them to express their views are requested for the postponement of the public hearing. Though it was a late request, the Authority made available the non-confidential portion of the anti dumping petition to the representatives of the importers and agreed to postpone the public hearing till 9-3-1995.

(v) The public hearing held on 9-3-95 was attended by the representatives of the petitioner domestic industry and the following :

1. M/s. Cibatul Ltd., Gujarat.
2. M/s. Pragati Chemicals Ltd., Bombay.
3. M/s. Delta Inds. Resins Pvt. Ltd., Calcutta
4. M/s. SIP Resins Ltd., Madras.

(xi) All the parties who attended the said public hearing were advised to make the submissions made in the public hearing in writing for obtaining counter comments from the other party to the investigation and the written submissions received from the parties were made available to other party for their comments.

(xii) M/s. USPE Chimpson, Russia replied that they have never exported Bisphenol-A to India. Scrutiny of importers reply and the evidence about imports provided by the importers revealed that Bisphenol-A of Russian origin was exported by M/s Helm AG, Hamburg, Lignacon GmbH Kaarst, Hamburg and M/s. Alfa Group (Hong Kong) Ltd., Hong Kong. Accordingly these exporters directly as also through their embassies were informed about the anti dumping investigation of Bisphenol-A and were requested to provide the relevant information in accordance with rule 5 of the Rules supra. M/s. Helm AG and M/s. Lignacon GmbH Kaarst did not submit the required details but confirmed having exported Bisphenol-A of Russian origin which was merely transhipped by them to India.

(xiii) Another opportunity was given to the exporters, importers and petitioners to express their views in the public hearing held on 13-6-95 by the newly appointed Designated Authority. The said public hearing was attended by the representatives of the petitioner domestic industry as the following :

1. Trade representatives from Russia.
2. Indian representative of M/s. Rhodia SA, Brazil.
3. M/s. Pragati Chemicals Pvt. Ltd.
4. M/s. SIP Resins Ltd.
5. M/s. Delta Ind. Resins Pvt. Ltd., Calcutta.
6. M/s. Bharat General Textiles Industries Pvt. Ltd.
7. M/s. Cibatul Ltd.

(xiv) All the parties who attended the said public hearing were advised to give the submissions made in the public hearing in writing for obtaining counter comments from the other parties to the investigation. The written submissions received from the parties were made available to other parties for their comments.

(xv) A team from M/s. USPE Chimpson, Russia visited the office of the Authority during June, 95 along with representative from Chamber of Commerce and Industries, Republic of Beskostostan, showed willingness to give undertaking to avoid dumping and agreed to submit the information in prescribed proforma within a fortnight. The Russian producer has, however, failed to submit the information required by the Authority, to notify the exporter the extent of undertaking necessary to eliminate injurious dumping.

(xvi) The investigation covered the period from 1st April, 93 to 30th September, 94. The Authority obtained and verified the information deemed necessary. An investigation was also carried out at the premises of M/s. Kesar Petro Products Ltd.

(xvii) The Authority also conducted cost investigation and worked out optimum cost of production and cost to make and sell in India on the basis of Generally Accepted Accounting Principles so as to ascertain as to whether anti-dumping duty lower than the dumping margin would be enough to remove the injury.

(xviii) The Authority has conducted the investigation under the Rules supra; and not under the new Rules. The Rules becoming effective from 1-1-95 have no bearings on the investigations which were initiated before 1-1-95.

PETITIONERS VIEWS

3. Petitioner highlighted the following main points :

- (i) Imports from Russia and Brazil are sold at less than their normal value in these countries.
- (ii) Due to dumping by Russian and Brazilian exporters, they were forced to reduce their selling price below the cost of production in order to match the falling prices of imports from Russia and Brazil.
- (iii) Due to dumping M/s. Cibatul Ltd., Gujarat closed their plant for production of Bisphenol-A.
- (iv) In case of Russia though the imports are coming from the parties in Germany and Hong Kong. Proviso to rule 6 of Rules 1985 lays down that wherever an article is not from the country of origin but from the intermediate country the price at which the article is sold shall be compared with the price in the country of origin whenever an article is only transhipped through the intermediate country. Therefore, even when the imports were not directly from Russia, the Russian origin material is being dumped in India attracting the provisions of rule 6 of the Rules, 1985.
- (v) The quality of their product matches with international standards as is evident from the fact that their export sales have been improving year after year in spite of international competition and the importers/actual users themselves are using their product on a continuous basis and the quantity purchased by them was also increasing year after year.
- (vi) The losses to the petitioner are due to dumping of Bisphenol 'A' and not in any way because of their being inefficient unit as alleged by importers/users of Bisphenol-A.
- (vii) The non-confidential information was submitted at the time of hearing on 9-3-95 and it was pointed out that confidential information such as information relating to domestic sales, cost of production, source of information regarding the domestic price in exporting countries, etc. cannot be disclosed.

- (viii) None of the importer or the representative from Russia who attended the hearing came forward with any argument/evidence whatsoever, to rebut the domestic price in Russia furnished by the petitioner.
- (ix) Regarding applicability of amended provisions of Custom Tariff Act w.e.f. 1-1-95 it was represented that—
 - (a) GATT 1994 anti-dumping provisions are applicable only if the cases are initiated in accordance to Agreement on Implementation of Article VI of GATT 1994.
 - (b) Under section 6 of the General Class Act the proceedings in the present case were initiated prior to 1-1-95 and therefore, the old provisions will only apply. In accordance with the CEGAT decision in the case of Atma Steels (1984) (17) (ELT 331) by a five member bench. If the proceedings are initiated on a particular date under rule 10 which was later on rescinded and new section 11 A was enacted then proceedings already initiated will be governed by the law on the date of initiation of proceedings. Thus, in the present case since the proceedings were initiated prior to the new provisions enacted on 1-1-95 the old provisions would only apply in terms of the CEGAT judgment.
 - (c) It was represented that though the earlier rules, 1985 were superseded yet there is a saving clause with respect to things done before supersession. Thus, this will protect the current proceedings which was initiated under the old provisions. Since the proceedings in the present case have been initiated in accordance with the old provisions, the amendments made in Customs Tariff Act with effect from 1-1-95 shall not apply.

Exporters Views

4. The major views expressed by the exporters/producers are as follows :

- (a) Export of Bisphenol-A from Brazil account for less than 10 per cent in volume of the total Indian market.
- (b) The prices offered by the Rhodia S.A. were defined by prices prevailing in the Indian and International market.

Views of Importers and other interested Parties

5. The main views of importers and users are summarised as under :

- (i) With effect from 1-1-95, Sec. 9A of the Customs Tariff Act and Anti-Dumping Rules, 1985, has been substituted/superseded by new Sections and new Rules of 1995. The investigation initiated under the provisions since superseded will be governed by the new provisions.
- (ii) The original petition was made on 31st March, 1994, whereas, the investigation period was taken from 1st April, 1993 to 30th September, 1994.
- (iii) The information relating to the alleged dumping has not been furnished cogently and contained a lot of misrepresentation when compared with the figures furnished by the petitioner and the figures notified in the preliminary findings relating to anti-dumping investigation of Bisphenol-A imported from Japan.
- (iv) The petitioner has excess installed capacity as compared to the domestic demand.
- (v) Product manufactured by petitioner was not fully approved for its quality.
- (vi) The volume of imports from the countries under investigation are about 10 per cent of total imports and could not have affected the prices of like article in the domestic market.
- (vii) The imposition of anti-dumping duty can only cause

injury to the Epoxy Resin manufacturers.

- (viii) The petitioner is an inefficient unit.
- (ix) Since there are no imports from 1-4-94 till date from Brazil, there was no dumping of the product and investigation itself need to be dropped at this stage.
- (x) Russia has not exported any quantity directly to India and most of the shipments come through either Germany or Singapore. The prices at which the Russians must have exported to Germany or Singapore should be lower than the export price of the dealers in Germany and Singapore, who also add their margin of profit.
- (xi) There are two grades of Bisphenol-A, Epoxy grade and Poly carbonate grade. It is not clear as to injury to the petitioner is from Epoxy grade or Poly carbonate grade of Bisphenol-A.

EXAMINATION BY AUTHORITY

6. The above submissions made by the exporters, importers, petitioner and other interested parties have been examined and considered while arriving at these findings and have been dealt with at appropriate places in these findings.

7. In the absence of any direct response from the exporters from Russia in the prescribed format, the Authority has made the findings with regard to Russia on the basis of the information available to it as per Rule 14 supra and the principle of best information available.

Product under consideration

8. Bisphenol-A, an organic chemical, is manufactured out of Phenol and Acetone. There are two grades of Bisphenol-A namely Epoxy grade and Polycarbonate grade. Their chemical names, molecular formula and other properties like molecular weight, boiling point, melting point, specific gravity, specific heat etc. are same. Major uses of the two grades are also same except that polycarbonate grade can also be used for polycarbonate resins. In view of the above and after examining the various aspects vis-a-vis damping rules relating to "like product", it is considered that the Bisphenol-A being produced in India and imported from Russia and Brazil are like products. The product Bisphenol-A is classified under the Customs Tariff Code 29072300 and falls under open general licence category.

9. Regarding allegation made by some of the importers that the product manufactured by the petitioner was not fully approved with respect to its quality, the Authority notes that whereas no authentic and reliable documentary evidence was made available by the complainants, some of the complainants themselves are using the product manufactured by the petitioner regularly. The petitioner also exported more than 3200 MT of the product during the investigation period. The Authority, therefore, concludes that the contentions of the importers/users about the poor quality of the domestic product is not proved.

DOMESTIC STATUS

10. The demand of the product during 1993-94 is estimated at around 3000 MT per annum. M/s. Kesar Petroproducts Ltd. is the major producer of Bisphenol-A. M/s. Cibatual Ltd. was producing the product for captive consumption and were also importers and, therefore, do not form part of the domestic industry under the Rules supra. There were three other manufacturers, namely, M/s. Piramal Organic Chemical, Bombay, M/s. Enlite Chemicals, Bombay and M/s. Alpha Chemical, Calcutta, who have stopped production as per information submitted by M/s. Cibatual Ltd. vide their letter dated 12-7-95. The petitioner accounts for a majority of Bisphenol-A production in India and hence constitute domestic industry in accordance with Rule 2(c) supra.

Normal Value

11. As per information provided by the petitioner the domestic price of the product in Russia was USD 1052.63 pmt and export price to third country by Brazil was USD 1100 pmt. The petitioner also constructed the price on the basis of cost of production of Bisphenol-A and stated that it is around USD 2068 pmt.

12. The Brazilian exporter furnished details of domestic price, export price to third country and cost of production alongwith the export price to India. The domestic price of the product in Brazil does not cover the full cost of production and the exporter is incurring losses. Around seventy per cent of domestic sales in Brazil are at losses and therefore, the domestic price in Brazil cannot be considered "in the ordinary course of trade". Export sales of third country are also at losses and therefore, export price to third country can also not be considered for determining Normal value. The Normal value of the product in respect of exports from Brazil has, therefore, been considered on the basis of the cost of production including the administrative, selling and general expenses, as furnished by the exporter. The ex-factory price after providing for a reasonable profit works out to USD 1087.82 per MT in case of Brazil.

13. Regarding normal value of the product from Russia, neither the Russian producers nor the exporters of Russian origin material to India has furnished information in the prescribed questionnaire. Representatives from M/s. Chimpion, Russia have also not submitted the information in spite of their assurance during their visit in June, 1995. M/s. Helm AG, and M/s. Lignacon, German exporters of the product to India confirmed having directly shipped Russian origin product to India. None of the importers or exporters furnished information in this regard inspite of adequate opportunity provided to them.

14. Under the circumstances, normal value under the rules is determined on the basis of best available information and therefore, the information as provided by the petitioner regarding the domestic home price in Russia has been accepted. The normal value of the product has been considered at USD 1052.63 per MT in case of Russia.

EXPORT PRICE

15. The Authority noted that the information compiled by DGCIS, Calcutta about imports of various goods in India based on information furnished by the importers for the purpose of customs clearance cannot be considered for working out export price of the product Bisphenol-A, as the custom code under which this has been classified covers imports of goods other than Bisphenol A also.

16. Export price in case of Brazil has therefore, been considered on the basis of the information furnished by the exporter, M/s. Rhodia S. A. The weighted average export price has been adjusted for ocean freight, insurance to work out the ex-works export price of USD 641.16 per MT.

17. Though two exporters from Germany have confirmed having transhipment of Russian origin material without further processing to India they have not furnished the details called for. One of them stated having purchased the product from Russia upto US \$ 520 including freight and banking cost. Since this has not been substantiated with evidence and also no information has been furnished the Russian producer or the exporters of Russian origin material the export price in case of Russia has been determined on the basis of consignment-wise/country wise information on imports of Bisphenol-A in India submitted by the petitioner and correlated with the information furnished by the importers to the Authority. The weighted average export price of Bisphenol-A from Russia after adjusting for freight, insurance and commission to German exporter works out to USD 618.34 per MT.

Comparison

18. For the purpose of a fair comparison between the normal value and export price in accordance with Section 9(A) (2) of the Customs Tariff Act, 1975 and Rule 14 supra, the Authority took into account the information supplied by the petitioner and the exporter from Brazil i.e. M/s. Rhodia S. A. Rule 6 supra provides that in case where an article is imported into India not from the country of origin but from an intermediate country, the price at which the article is sold from the intermediate country shall

be compared with the comparable price in the intermediate country. In the absence of any direct response in the prescribed manner and proforma from the exporters of Russian origin material who were given ample opportunity to make available the relevant information from their end and in view of confirmation by M/s. Helm AG and M/s. Lignacon, the German exporters that the Russian origin material to India transhipped without further processing, the Authority under the proviso to Rule 6 supra compared the export price determined above with the price in the country of origin. The weighted average export price obtained during the period of investigation has been compared with the Normal Value.

Injury

19. Under Rule 18 supra, when a finding of injury is arrived at, "such finding shall involve an examination of facts which the Designated Authority considers relevant under the circumstances including the volume of dumped imports and their effect on price in the domestic market for like products and the consequent impact of such imports on domestic producers of such products". In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like product in India or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

20. For the examination of the impact on the industry in India, the Authority considered such further indices having a bearing on the state of industry as production, capacity utilisation, sales, stock, profitability and net sales realisation.

(a) Volume and Market Share of Imports

21. Export from Brazil increased from nil in 1991 to 194 MT in 1992 and 389 MT during the investigation period as per the details furnished by the exporter M/s. Rhodia SA, representing over 100% increase during the investigation period as compared to the previous year. The export price to India at the same time declined from around USD 711 per MT in 1992 to USD 652 during Apr., 93 to Dec., 93 and USD 613 per MT during Jan., 1994 to Sept., 1994.

22. Exports from Russia have also increased from nil in 1992-93 to 242 MT in 1993-94 and to 410 MT during the first six months of 1994-95, registering an increase of more than 238% in 1994-95 (6 months) on annualised basis as compared to the previous years. The export price of USD 713 in 1993-94 steeply declined to USD 619 per MT during first six months of 1994-95. The Authority considered that during the investigation period the volume of dumped imports from Brazil and Russia cannot be regarded as negligible, and have impact on influencing the prices of the product in Indian Market.

(b) Production

23. Production of the petitioner increased from 1711 MT (1992-93) to 4181 MT (1993-94) and 2610 MT (first six months of 1994-95), resulting in increase in capacity utilisation from around 68% to 84% and 87% respectively. The petitioner increased its installed capacity from 5000 MT to 6000 MT during 1993-94. However, the Authority noted that production for export sales and undertaking the job work contributed for achieving higher capacity utilisation.

(c) Inventory

24. The petitioner was having stock of 1052 MT of Bisphenol A as on 31-3-1993, which declined to 823 as on 31-3-1994 and 803 MT as on 30-9-1994. Reduction in inventory appears to be due to increased domestic sales at reduced prices and export sales.

(d) Sales in absolute terms

25. Sales of the petitioner in the domestic market has increased from 181 MT during six months in 1992-93 (production commenced in October, 1992) to 1666 MT during 1993-94 and 1390 MT in the first six months of 1994-95.

(e) Average Sales Realisation

26. Average sales realisations from the sales of Bisphenol A in the domestic market declined from Rs. 66366 per MT in 1992-93 to Rs. 40670 per MT in the first six months of 1994-95, representing a decline of about 40%.

(f) Profit/Loss

27. The petitioner is suffering losses which increased from 353 lacs in 1992-93 to Rs. 837 lacs during 1993-94 and declined to Rs. 110 lacs during the first six month of 1994-95. The petitioner has been forced to sell Bisphenol-A at price much below its cost of production.

(g) Conclusion on injury

- 28 (i) The quantum of imports from Russia and Brazil increased significantly in absolute terms during the investigation period as compared to the previous period.
- (ii) The share of Russia and Brazil in the total imports in India increased during the investigation period as compared to the previous period.
- (iii) As a consequence of reduction in import prices by Russia and Brazil and reduction in custom duty by the Government of India, the import value from Russia and Brazil (after considering Customs duty but before Additional Duty of Customs) declined significantly.
- (iv) The market share of Russia and Brazil in the total demand of the country increased during the investigation period as compared to the previous period.

(v) Though production, capacity utilisation, and sales in absolute terms have shown improvement, the Authority found that the price was the most important factor to customers in determining the source of supply. Therefore, the improvement in production, capacity utilisation and sales were a direct consequence of the lowering of the prices by domestic industry to match the declining import prices, coupled with increased exports and job work. The domestic industry have been prevented from selling at a price which would allow them a reasonable profit.

29. The Authority is, thus, led to the conclusion that the domestic industry has suffered material injury.

Casual Link

30. In determining whether material injury to the domestic industry was caused by the dumped imports, the Authority took into account the following facts :

- (i) The import of the product from Russia and Brazil increased significantly in absolute terms and also relative to the consumption of the product in India. The share of Russia and Brazil in the total imports also increased during the period.
- (ii) The lower value of the imports from Russia and Brazil coupled with higher volumes forced the domestic industry to reduce its selling prices to unremunerative level.
- (iii) The imports from Russia and Brazil suppressed the prices of the domestic industry to such an extent that the domestic industry was prevented from recovering its full cost of production and earn a reasonable profit from the sales of Bisphenol-A in India.

Indian Industry's Interest

31. The purpose of anti dumping duty is in general to eliminate dumping which is causing injury to the domestic industry and to re-establish the situation of open and fair competition in the Indian market which is in the general interest of the country.

32. Arguments have been raised that the imposition of anti-dumping measures would be contrary to the Indian public interest because they would result in higher prices and may harm the Epoxy resin industry. However, fair competition on the Indian market will not be reduced by the anti dumping measures particularly if the levy of the anti dumping duty is limited to the amount necessary to redress the injury to the domestic industry. On the contrary, it would remove the unfair advantage gained by the dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of Bisphenol-A.

33. The Authority confirms that it has worked out reasonable Selling Price of Bisphenol-A in India for the domestic industry, by considering the optimum

cost of production at attainable level of Capacity Utilisation to ascertain the extent of anti-dumping duty necessary to remove the injury to the domestic industry.

34. Injury being caused to the petitioner from factors other than dumping have not been considered by the Authority while recommending the amount of Anti Dumping Duty necessary to remove the full extent of injury to the petitioner.

Findings

35. The Authority, accordingly, has come to the conclusion that :

(i) Exports from Brazil and the exporters supplying Russian origin material have sold

Bisphenol-A in India below its normal value;

(ii) the Indian industry has suffered material injury,

(iii) the injury has been caused by the imports from Russia and Brazil;

36. The Authority considers it necessary to impose a definitive anti dumping duty on imports of Bisphenol-A originating from Russia and Brazil in order to remove the material injury to the domestic industry. The export price, normal value and the margin of dumping were determined by the Designated Authority as under.

	Brazil		Russia	
	USD/MT	Rs/MT	USD/MT	USD/MT
Normal Value	1087.80	34320	1052.63	33210
Export Price (fob)	644.16	20323	653.82	20628
Margin of Dumping	443.64	13997	398.81	12582

37. The Authority considered whether a duty lower than the dumping margin would be enough to remove the injury. The weighted average landed price of the imports, for the purpose, was compared with the fair selling price of Bisphenol-A produced by the domestic industry, determined at an optimum level of capacity utilisation, for the period of investigation. The difference was less than the dumping margin and accordingly the Authority recommends that an anti dumping duty of Rs. 10,263 (Rs. Ten Thousand Two Hundred Sixty Three) per MT on

imports from Brazil and Rs. 12,559 (Rs. Twelve Thousand Five Hundred Fifty Nine) per MT on imports originating from Russia, which are less than dumping margin, but sufficient to remove the extent of injury to the domestic industry caused directly by exports from Russia and Brazil, be imposed on all imports of Bisphenol-A originating from Russia and Brazil falling under Chapter 29 of the Custom Tariff.

T. S. VIJAYARAGHAWAN, Designated Authority
and Addl. Secy.

